तेरे दिल के द्वार पर यीशु खटखटाता

खोलों तुम दरवाज़ा वो है आना चाहता

1. बनना चाहता है वो हा हा

तेरा ही मेहमान आज

तेरा रंज और ग़म सब

वह उठाना चाहता

2. खुशी अपनी देता हा हा

होवे तू जलाली

रात दिन तेरे साथ ही

वो है रहना चाहता

3. नर्म आवाज़ से बोलता हा हा

मुआ तेरे वास्‍ते

छोड़ो बदसलूकी

खोलो द्वार मैं आता

4. तेरी खातिर मैने हां हां

पहना ताज कंटीला

तुझको अब जलाली

ताज हूँ मैं पहनाता।

5. बेवफा न हो तू-हा-2

मेरे खूँन खरीद

कर मेरा इकरार तू-

मुझ से क्‍यों शरमाता

6. खोलता हूँ दरवाज़ा हा हा

दिल का ए मसीहा

आ और इसमें रह तू

मैं हूं दिल से चाहता।

7. यीशु प्‍यारो कहता हा

कीमती वक्‍त है जाता

वक्‍त गया जो प्‍यारो-

वापिस फिर न आता ।